

Media Coverage : Bharat ka Amrut Mahotsav

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-08-11 | Page-4
ehitavada.com

TFRI holds events to mark Azadi Ka Amrut Mahotsav



TFRI officials planting saplings at Botanical Garden as part of the Azadi Ka Amrut Mahotsava celebrations.

■ Staff Reporter

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur celebrated 'Azadi Ka Amrut Mahotsav', an initiative by Government of India to commemorate 75 years of progressive and the glorious history of it's people, culture and achievements.

The 22nd week's celebration under the initiative was hosted by the Forest Ecology and Climate Change (FECC) Division of TFRI, Jabalpur during August 2 and August 8 on the theme Climate Change and Biodiversity to bring small local level changes under the initiative.

This week-long celebration started with plantation of saplings at the Botanical Garden by the scientists and officers of the institute. Eleven tree species namely were introduced in the diversity of the garden.

A visit to Insectary, Arachnarium and NWFP Garden was conducted for students and research scholars to introduce them with the activities of the institute. During the third day, a webinar was conducted wherein the keynote speaker Dr C George Thomas, Chairman, Kerala State Biodiversity Board delivered informative talk discussing various global aspects of biodiversity and ecosystem restoration. Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI welcomed and expressed his gratitude towards Dr Thomas. He informed the house about importance of forests in mitigating the effects of climate change.

Dr Avinash Jain, Scientist and Head, FECC division welcomed the participants and evoked concern for rising carbon dioxide level in the atmosphere and need for emergent steps for better tomorrow.

Over 100 participants actively participated and thoroughly enjoyed various events of the Mahotsav.

Cityभास्कर bhaskarhindi.com
जबलपुर, बुधवार, 11 अगस्त 2021 . 07

रोपे ग्यारह प्रजातियों के पौधे



जबलपुर। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के 22वें सप्ताह का आयोजन टीएफआरआई, के वन परिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन (एफईसीसी) प्रभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता विषय पर हुआ। डॉ. जी. राजेश्वर राव, एआरएस, निदेशक टीएफआरआई, डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक और प्रमुख, एफईसीसी प्रभाग की मौजूदगी थी

राज एक्सप्रेस | महानगर | बुधवार, 11 अगस्त, 2021 | 9 | जबलपुर | www.rajexpress.co

जलवायु परिवर्तन प्रभाव को कम करते हैं वन: डॉ. राजेश्वर राव

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में भारत का अमृत महोत्सव का आयोजन

जबलपुर। राज मूल नेटवर्क

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान-टीएफआरआई में भारत वर्ष की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में आयोजित वेबिनार में टीएफआरआई निदेशक डॉ.जी. राजेश्वर राव ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में वनों के महत्व के बारे में बताया।

केंद्र सचिव की पहल 'भारत का अमृत महोत्सव' के 22वें सप्ताह का आयोजन संस्थान के वन परिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन-एफईसीसी प्रभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता विषय पर किया गया। इसका मूल उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना और छोटे स्थानीय स्तर पर बदलाव लाना था। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों द्वारा वनस्पतिक उद्यान में पौधारोपण कर हुई। यहां पेड़ों की ग्यारह प्रजातियों को बोने में रोजगार किया गया।

भ्रमण व वेबिनार के आयोजन

छात्रों और शोधार्थियों को संस्थान की गतिविधियों से परिचित कराने के लिए कैंटीन, मकखलप, अक्काध वनोपज उद्यान का भ्रमण कराया गया। वहीं एक वेबिनार का आयोजन भी हुआ जिसमें मुख्य वक्ता डॉ.सी. जॉर्ज थॉमस, अध्यक्ष केरल राज्य जैव विविधता बोर्ड ने जैव विविधता और परिस्थितिकी तंत्र की बहाली के विभिन्न वैश्विक पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक और प्रमुख एफ ई सी सी प्रभाग ने प्रतिभागियों को वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर और बेहतर काल के लिए आर्कस्मिक कटकों की आवश्यकता पर चर्चा की। इसके पश्चात दो वृक्षारोपण का प्रदर्शन भी किया गया और साथ ही संग्रहालय का भ्रमण भी कराया गया।

रोचक विधाओं के आयोजन

उत्सव में रोचक खेल का आयोजन किया गया। संस्थान में महोत्सव के सप्ताह का समापन वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, स्कुल कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, निबंध, कविता, कहानी और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के के साथ हुआ। महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

